Downloaded from www.studiestoday.com

पाठ -6

राजनीति दल

याद रखने योग्य बाते :-

(1) राजनीतिक दल का अर्थ :- राजनीतिक दल को लोगों के एक ऐसे संगठित समूह के रूप में समझा जा सकता है जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से काम करता है।

(2) राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्से है

(1) नेता (2) सक्रिय सदस्य (3) अनुयायी या समर्थक

(3) मूलत: राजनीतिक दल राजनीतिक पदों को भरते है राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल करते है।

(4) अधिकांश लोकतांत्रिक देशों में चुनाव राजनीतिक दलों द्वारा खड़ा किये गये उम्मीदवारों के बीच लड़ा जाता है।

(5) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते है और मतदाता अपनी पसन्द की नीतियां और कार्यक्रमों का चुनाव करते है।

(6) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती है। कानूनों पर औपचारिक बहस होती है और उन्हें विधायिका में पास करवाना पड़ता है लेकिन विधायिका के अधिकतर सदस्य किसी न किसी दल के सदस्य होते है। इस कारण वे अपने दल के नेता के निर्देश पर फैसला करते है।

(7) चुनाव में जीत कर आने वाले कम सदस्य वाले दल शासक दल के विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते है।

(8) लोकतन्त्र में नागरिकों का कोई भी समूह राजनीतिक दल बना सकता है इस औपचारिक अर्थ में सभी देशों में बहुत से राजनीतिक दल है। भारत में ही चुनाव आयोग में नाम पंजीकृत कराने वाले दलों की संख्या 750 से ज्यादा है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(9) कई देशों में केवल एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है। इस कारण उन्हें एक दलीय शासन व्यवस्था कहा जाता है। चीन में सिर्फ कम्यूनिस्ट पार्टी को शासन करने की अनुमति है।

(10) कुछ देशों में सत्ता आमतौर पर दो मुख्य दलों की बीच ही बदलती रहती है इस व्यवस्था को दो दलीय व्यवस्था कहते है। अमेरिका और ब्रिटेन इसके उदाहरण है।

(11) जब अनेक दल सत्ता के लिए होड़ में हो और दो दलों से ज्यादा के लिए अपने दम पर या दूसरों से गठबन्धन करके सत्ता में आने का ठीक-ठाक अवसर हो तो इसे बहुदतीय व्यवस्था कहते है। भारत में ऐसी ही बहुदलीय व्यवस्था है।

(12) जब किसी बहुदलीय व्यवस्था में अनेक पार्टियां चुनाव लड़ने और सत्ता में आने के लिये आपस मे हाथ मिला लेती है तो इसे गठबन्धन कहा जाता है।

(ब) बहुवैकल्पिक प्रश्न :-

(1) निम्न में कौन राजनीतिक पार्टी नही है।

(1) बी. जे. पी (2) आई. एन. सी (3) बी. एस. पी (4) वामसेफ

(2) निम्न में से कौन राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी नही है?

(1) भारतीय जनता पार्टी (2) काग्रेस पार्टी (3) बहुजन समाज पार्टी (4) समाजवादी पार्टी

(3) निम्न में कौन भारत में राजनीतिक दल को मान्यता देता है?

(1) राष्ट्रपति (2) उपराष्ट्रपति (3) प्रधानमन्त्री (4) चुनाव आयोग

(4) निम्न में किस देश में बहुदलीय व्यवस्था है?

(1) भारत (2) बिट्रेन (3) संयुक्त राज्य अमेरिका (4) चीन

(5) निम्न में किस देश में एक दलीय शासन प्रणाली है?

(1) पाकिस्तान (2) चीन (3) नेपाल (4) बांग्लादेश

(6) निम्न में किस देश में दो दलीय शासन व्यवस्था है?

(1) भारत (2) पाकिस्तान (3) चीन (4) ब्रिटेन

(7) किसी देश के लिये कानून बनाने में निर्णायक भूमिका कौन निभाता है?

(1) नेता (2) पार्टियाँ (3) मतदाता (4) चुनाव क्षेत्र

(8) निम्न में से कौन बहुजन समाज पार्टी का संस्थापक है?

(1) इन्दिरा गांधी (2) मायावती (3) डा॰ बी॰ आर॰ अम्बेडकर (4) कांशीराम

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(9) समर्थक का अर्थ ऐसे व्यक्ति से है जो

(1) किसी दल के प्रति प्रतिबद्ध है (2) क्रान्ति कारी है (3) पक्षपाती है (4) आधुनिक है।

(10) निम्न में से किस पार्टी की स्थापना भारतीय जनसंघ को पुनर्जीवित करके की गई थी?

(1) समाजवादी पार्टी (2) राष्ट्रीय जनता दल (3) भारतीय जनता पार्टी (4) बहुजन समाज पार्टी

(3) लघु/दीर्घ प्रश्न

(1) राजनीतिक दल के कार्य बताओ?

(2) राजनीतिक पार्टियां जनमत का निर्माण कैसे करती है?

(3) भारत में लोकतन्त्र को बहुदलीय प्रणाली ने कैसे मजबूत किया है?

(4) विभिन्न प्रकार की दलीय प्रणाली का उल्लेख करो?

(5) राजनीतिक दलों की दशा तय करने में चुनाव आयोग की भूमिका की व्याख्या करो?

(6) राजनीतिक दलों द्वारा वर्तमान में सामना की जा रही चुनौतियों की व्याख्या करो?

(7) भारत में राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतन्त्र की कमी क्यो है?

(8) राजनीतिक दलों एवं नेताओं को सुधारने के लिये सरकार द्वारा किये गये प्रयासों का उल्लेख करो?

(9) किसी भी राजनीतिक दल के गुणों का उल्लेख करो?

(10) लोकतन्त्र की गुणवत्ता जन सहभागिता के स्तर पर निर्भर करती है? क्या आप इस कथन से सहमत है?

(ब) बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर :-

(1) (द) वामसेफ

(2) (द) समाजवादी पार्टी

(3) (द) चुनाव आयोग

(4) (अ) भारत

(5) (ब) चीन

(6) (द) ब्रिटेन

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(7) (ब) पार्टियां

(8) (द) कांशीराम

(9) (अ) किसी दल के प्रति प्रतिबद्ध है

(10) (स) भारतीय जनता पार्टी

(स) लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

उत्तर (1)

(1) चुनाव लड़ना

(2) कानून बनाना

(3) सरकार बनाना व चलाना

(4) विपक्ष की भूमिका

(5) जनमत का निर्माण

उत्तर (2)

(1) सार्वजनिक मुद्दो को उठाना और उन पर बहस करना।

(2) कार्यकर्ताओं से सम्पर्क स्थापित करना।

(3) लोगों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करना।

(4) समाज के लोगों के सामने अपनी राय रखना।

उत्तर (3)

(1) यह स्थायित्व प्रदान करती है।

(2) यह सब को चुनाव में भाग लेने का मौका देती है।

(3) यह सरकार पर नियन्त्रण रखती है।

(4) यह बेहतर निर्णय लेने में योगदान देती है।

उत्तर (4)

(1) एक दलीय प्रणाली

(2) दो दलीय प्रणाली

(3) बहुदलीय प्रणाली

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर (5)

(1) राजनीतिक दलों का पंजीकरण चुनाव आयोग द्वारा किया जाता है।

(2) चुनाव आयोग पंजीकृत दल को एक चुनाव चिन्ह प्रदान करता है।

(3) जब किसी दल को किसी राज्य विधान सभा चुनाव की कुल मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है अथवा वह कम से कम दो सीटों पर विजयी होता है तो उसे राज्य स्तरीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्राप्त होती है।

(4) जब किसी दल को लोकसभा चुनाव या किन्ही चार राज्यों की विधान सभा चुनाव में कुल वैध मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत प्राप्त होता है तो उसे राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त होती है।

उत्तर (6)

(1) आंतरिक लोकतन्त्र का अभाव

(2) वंशवादी उतराधिकार

(3) धन एवं बल का प्रयोग

(4) सार्थक विकल्प का अभाव

उत्तर (7)

(1) कुछ नेताओं के हाथ में ज्यादा ताकत का होना।

(2) सामान्य कार्यकर्ता गतिविधियों से अनजान रहता है।

(3) पार्टी के नाम पर फैसला कुछ शीर्ष नेता ही करते है।

(4) पार्टी के शीर्ष नेताओं के प्रति निष्ठा ज्यादा महत्वपूर्ण

उत्तर (8)

(1) दल परिवर्तन पर नियन्त्रण दल बदल विरोधी कानून द्वारा

(2) दल बदल करने पर अपनी सीट खोनी पड़ती है।

(3) सम्पत्ति की घोषणा करना

(4) आपराधिक मामले से सम्बन्धित शपथ-पत्र दायर करना अनिवार्य

उत्तर (9)

(1) साथ मिलकर चुनाव लड़ना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(2) समाज के सामुहिक हितो के लिये नितियां तथा कार्यक्रम होते है।

(3) वे समाज के मौलिक राजनीतिक विभाजन को परिलक्षित करते है।

(4) उनकी पहचान इससे होती है कि वे समाज के किस हिस्से के लिये खड़े है वे किन नीतियों का समर्थन करते है तथा वे किन के हितों की देखभाल करते है।

उत्तर (10)

(1) लोकतन्त्र का उद्देश्य जनता का जनता के द्वारा शासन है।

(2) लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में भाग लिये बिना राजनीतिक दलों में सुधार लाना कठिन

(3) सामान्य जनता की भागीदारी आवश्यक

(4) उपयुक्त उम्मीदवार का चयन

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com